



## संपादकीय

## ‘अंतहीन’ ही रहेगा युद्ध

प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से एक बार फिर आग्रह किया है कि ‘अंतहीन युद्ध’ से निकल कर ‘युद्ध के अंत’ की ओर बढ़ें। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेकिशियान ने प्रधानमंत्री मोदी को पश्चिम एशिया में शांति के प्रयासों और संवाद की शुरुआत के लिए मध्यस्थ भूमिका निभाने का अनुरोध किया है। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में ‘शंघाई सहयोग संगठन’ (एससीओ) के देशों का शिखर सम्मेलन जारी रहा और युद्ध-समाप्ति की ऐसी आवाजें बुलंद होती रही, लेकिन उसके समानांतर अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर एक बार फिर हमला करवा दिया। होर्मुज जलडमरूमध्य के करीब लारक द्वीप पर हमला कर दो लॉन्चर्स को तबाह करने का दावा किया गया है। दो मौतों के अलावा नुकसान काफी हुआ है। यह द्वीप फारस और ओमान खाड़ी के बीच स्थित है और बेहद महत्वपूर्ण, संवेदनशील संकरा जलमार्ग है। दुनिया के करीब 20 फीसदी तेल और गैस इसी रास्ते से सप्लाई होते रहे हैं। यहां से जहाजों पर पैनी गिरानी भी रखी जा सकती है। अमरीका इसे भी बर्बाद करने पर आमादा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया की पोस्ट में लिखा है कि ईरान द्वारा बिछाई जा रही बारूदी सुरंगों को उड़ाने के लिए यह हमला किया गया। ट्रंप ने यह भी लिखा है कि हम ईरान को बुरी तरह मारेंगे। ईरान एक नाकाम देश है। उसके पास करेंसी भी नहीं बची है। महंगाई दर 300 फीसदी है और ईरान अपने सैनिकों और पुलिस को वेतन तक नहीं दे पा रहा है। अमरीका आज की रात (मंगलवार) ईरान पर विस्फ़सक हमला करेगा। हमले से पहले ही ईरान ने प्लटवार कर जॉर्डन और संयुक्त अरब अमीरात समेत कतर, कुवैत, बहरीन में अमरीकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर अमरीका को बता दिया है कि ईरान की ताकत अब भी मौजूद है। राष्ट्रपति ट्रंप पहले दावा कर चुके हैं कि अमरीका ने होर्मुज क्षेत्र को बारूदी सुरंगों से मुक्त करा दिया है। फिर यह हमला क्यों किया गया? हमले के बावजूद होर्मुज में अब भी 100 से अधिक बारूदी सुरंगें बताई जाती हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने करीब एक माह की खामोशी और हमलों को रोकने के बाद तब हमले के आदेश दिए हैं, जब अमरीका के कई सैन्य कमांडरों ने युद्ध को बढ़ाने पर ‘असहमति’ जताई है। ‘व्हाइट हाउस’ के आधा दर्जन बड़े अधिकारियों ने इस्तीफे दे दिए हैं। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट, अमरीकी सेना के सचिव डैन ड्रीस्कॉल समेत उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, निदेशक, वकील आदि अधिकारियों ने राष्ट्रपति का साथ छोड़ दिया है। ‘व्हाइट चीफ्स ऑफ़ स्ट्राफ़’ के अध्यक्ष जनरल डैन केन भी कह चुके हैं कि मौजूदा परिस्थितियों में ईरान को हराना असंभव-सा है। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप, युद्ध के छह महीने बाद भी, युद्ध को ‘अंतहीन’ बनाने पर आमादा हैं। युद्ध में अमरीका के अब तक 3,57,677 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। एक अहंकार, वक्शीपन, तानाशाह प्रवृत्ति ने करदाताओं का इतना पैसा ‘फ्रूक’ दिया है। अमरीका के 18-19 लड़ाकू विमान तबाह हो चुके हैं। उसके 18 सैनिक मारे जा चुके हैं और 750 से अधिक घायल हुए हैं। ये आंकड़े पेंटागन के हैं और शीपों मीडिया एजेंसियां और अखबार छप चुके हैं। ट्रंप की लोकप्रियता ‘निमत्तम’ स्तर पर है और जनता में भी रोष, विद्रोह हैं। ईरान युद्ध में अभी तक कुल 3600 के करीब मौतें हो चुकी हैं, जबकि इजरायल में करीब 60 और लेबनान में 3527 मौतें हुई हैं। युद्ध के दौरान होर्मुज में 70 से अधिक जहाजों पर हमले किए गए, जिनमें 19 नाविक मारे गए। इनमें भारतीय भी शामिल हैं। बताया जाता है कि अब भी 400 जहाज और करीब 6000 नाविक होर्मुज और आसपास के समंदर में फंसे हैं। ईरान में खाद्य महंगाई दर करीब 128 फीसदी है, जो लगातार बढ़ रही है। उपभोक्ता वस्तुएं 88 फीसदी महंगी हो चुकी हैं।

### आज का इतिहास

1843 - ग्रीस के राजा ओटो को एथेंस में विद्रोह के बाद संविधान देने के लिए मजबूर होना पड़ा था.

1861 - अमेरिकी गृहयुद्ध: संघीय जनरल लियोनिडस पोल्टे ने तटस्थ केंटकी पर हमला किया जिससे राज्य विधायिका को केंद्रीय सहायता मांगनी पड़ी थी.

1870 - फ्रैंको-प्रशिया युद्ध: मेटज का घेराबंदी शुरू हुआ था. जिसके परिणामस्वरूप 23 अक्टूबर को एक निर्णायक प्रशिया की जीत हुई थी.

1875 - ब्रिटिश द्वारा पेश किए जाने के बाद पोलो पहला आधिकारिक खेल अर्जेंटीना में खेला गया था.

1914 - विलियम, अल्बानिया के राजकुमार ने अपने शासन के विरोध के कारण केवल 6 महीने बाद देश छोड़ दिया था.

1916 - प्रथम विश्व युद्ध: लीफ रॉबिन्सन ने लॉन्ग के उत्तर में कफ़ली पर जर्मन एयरशिप शूटे-लॉन्ग एसएल 11 को नष्ट कर दिया था.

1935 - सर मैल्कम कैम्बेल यूटा में बोनेविले साल्ट फ्लैट्स पर प्रति घंटे 304.331 मील की रफ़्तार तक पहुंच गया, जो 300 मील प्रति घंटे से अधिक ऑटोमोबाइल चलाने वाला पहला व्यक्ति बन गया थे.

1945 - 2 सितंबर को जापान दिवस पर विजय के बाद, चीन में तीन दिवसीय उत्सव शुरू हुआ था.

1950 - 1950 के इतालवी ग्रैंड प्रिक्स जीतने के बाद निनो फ़ेरीना पहला फ़ॉर्मूला वन ड्राइवर्स चैंपियन बन गया था.

1971 - कतर एक स्वतंत्र राज्य बन गया था.

1987 - बुरुंडी में एक क़त्ल डी'एटैट में, राष्ट्रपति जोन-बैप्टिस्ट बाजाजा मेजर पियरे बायोंया द्वारा नियुक्त किया गया था.

1997 - वियतनाम एयरलाइंस फ्लाइट 815 (टुगोविल तु-134) नोम पेन्ह हवाई अड्डे पर पहुंचने पर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी जिसमें 64 की मौत हुई थीं.

2004 - बेस्लान स्कूल घेराबंदी के परिणामस्वरूप 330 से ज्यादा मौतें हुईं जिनमें 186 बच्चे भी शामिल थे.

2016 - अमेरिका और चीन, विश्व के कार्बन उत्सर्जन के 40% के लिए जिम्मेदार हैं, दोनों औपचारिक रूप से पेरिस वैश्विक जलवायु समझौते में शामिल हो गए थे.

2017 - उत्तरी कोरिया ने अपने छठे और सबसे शक्तिशाली परमाणु परीक्षण का आयोजन किया था.

# जंक फूड की चमक के पीछे छिपता पोषण का संकट

**भारत में प्रतिवर्ष लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से एक से 7 सितम्बर के बीच ‘राष्ट्रीय पोषण सप्ताह’ मनाया जाता है। भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत खाद्य और पोषण बोर्ड प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ इसका आयोजन करता है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2026 के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय है ‘पोषण की शक्ति को जानें’ जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और कुपोषण को रोकने के लिए सभी आयु समूहों के लिए संतुलित आहार और स्वस्थ खाने के महत्व पर जोर देता है। दरअसल स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक और संतुलित आहार के सेवन की आवश्यकता है लेकिन आज की बिगड़ी जीवनचर्या और गलत खानपान के कारण लोगों में तरह-तरह की बीमारियां पनप रही हैं।**

#### योगेश कुमार गोयल

एक स्वस्थ और संतुलित आहार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है। पोषण सप्ताह के अवसर पर बेहतर स्वास्थ्य के लिए लोगों को शरीर को पोषण देने वाली खानपान की चीजों के बारे में जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत द्वारा बेहतर कार्य करने के बावजूद लोगों में सेहत को लेकर जागरूकता के अभाव के चलते रोगियों का आंकड़ा बढ़ रहा है, जो उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर बहुत भारी पड़ रहा है।

पोषण के महत्व को समझते हुए लोगों को खानपान, पोषण की पूर्ति और सेहत को लेकर जागरूक करने के लिए मार्च 1975 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाए जाने की घोषणा सर्वप्रथम ‘अमेरिकन डायटेटिक्स एसोसिएशन’ द्वारा की गई थी, जिसे अब ‘न्यूट्रिशन एंड डाइट साइंस एकेडमी’ के नाम से जाना जाता है। 1980 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह एक सप्ताह के बजाय पूरे एक माह तक मनाया जाने लगा लेकिन 1982 में निर्णय लिया गया कि इसे पूरे एक महीने के बजाय सितम्बर महीने के पहले सप्ताह में ही मनाया जाएगा। तभी से एक से सात सितम्बर तक ‘राष्ट्रीय पोषण सप्ताह’ मनाया जा रहा है। पोषण

सप्ताह के अवसर पर लोगों को शरीर को पोषण देने वाले फल, सब्जियों और अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्रियों को आजमाने के लिए प्रेरित किया जाता है। कुपोषण का मनुष्य के स्वास्थ्य और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है,

कार्य करता है। अच्छे पोषण का उत्पादकता, आर्थिक विकास तथा अंततः राष्ट्रीय विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है और अच्छा पोषण लोगों को स्वस्थ बनाए रखते हुए स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण भी करता है। इसीलिए नियमित शारीरिक

जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी और आर्थिक पिछड़ेपन की समस्या भी उत्पन्न होती है। पोषण स्वास्थ्य और कल्याण का केन्द्र बिंदु है, जो कार्य करने के लिए शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करता है और तंदुरुस्त एवं बेहतर महसूस करने में भी मददगार होता है। पर्याप्त पोषण का सेवन करने वाले व्यक्ति अधिक कार्य करते हैं जबकि खराब पोषण प्रतिरक्षा में कमी, बीमारी के जोखिम को बढ़ाने, शारीरिक एवं मानसिक विकास को क्षीण करने तथा कार्यक्षमता में कमी पैदा करने का

गतिविधियों के साथ अच्छे पोषण को अच्छे स्वास्थ्य की आधारशिला माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पोषण का संबंध शरीर की आवश्यकतानुसार आहार के किशोरियों, गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण स्थिति में सुधार करना था और वर्ष 2022 के अंत तक देश से कुपोषण खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन पोषण अभियान फंड के इस्तेमाल में जिस तरह की उदासीनता देखी जाती रही है, उसे

कुपोषित बच्चों में से एक भारत में है। भारत को कुपोषण से मुक्ति दिलाने के लिए 8 मार्च 2018 को पोषण अभियान भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य खासतौर से 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण स्थिति में सुधार करना था और वर्ष 2022 के अंत तक देश से कुपोषण खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन पोषण अभियान फंड के इस्तेमाल में जिस तरह की उदासीनता देखी जाती रही है, उसे

देखते हुए यह लक्ष्य हासिल करना अभी दूर की कौड़ी प्रतीत होता है। नीति आयोग की चौथी प्रगति रिपोर्ट से खुलासा हुआ था कि देश के 23 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों ने तो इस मद में आधे से भी कम फंड का इस्तेमाल किया। यदि हम वाकई देश को कुपोषण मुक्त राष्ट्र का दर्जा देना चाहते हैं तो उदासीनता की इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना होगा।

हमारे भोजन में रंग और खुशबू देने वाले रासायनिक पदार्थ जैसे कुछ ऐसे तत्व भी होते हैं, जो पोषक तत्व नहीं होते लेकिन कार्बोज, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज लवण, पानी इत्यादि प्रमुख पोषण तत्व हैं। यदि ये पोषण तत्व हमारे भोजन में उचित मात्रा में विद्यमान न हों, तो हमारा शरीर अस्वस्थ हो जाएगा। भोजन के वे सभी तत्व, जो शरीर में आवश्यक कार्य करते हैं, पोषण तत्व कहलाते हैं। ये आवश्यक तत्व जब हमारे शरीर की आवश्यकतानुसार सही अनुपात में उपस्थित होते हैं, तब उसे सर्वोत्तम पोषण या समुचित पोषण की संज्ञा दी जाती है लेकिन जब पोषक तत्व शरीर में सही अनुपात में विद्यमान नहीं होते या उनके बीच में असंतुलन होता है तो वह कुपोषण कहलाता है यानी अधिक पोषण या कम पोषण दोनों को ही कुपोषण कहा जाता है। कम पोषण का अर्थ है आहार में किसी एक या एक से अधिक पोषण तत्वों की कमी और अधिक पोषक तत्वों के अधिक है।

तत्वों की भोजन में अधिकता। शरीर में पोषक तत्वों की अधिकता और कमी दोनों ही समान रूप से हानिकारक है, शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए भोजन में उचित मात्रा में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति होनी चाहिए।

पोषक तत्वों के संतुलन और असंतुलन को इसी से समझा जा सकता है कि जब कोई व्यक्ति एक दिन में ऊर्जा खपत से अधिक ऊर्जा ग्रहण करता है तो वह वसा के रूप में शरीर में एकत्र हो जाती है, जिससे व्यक्ति मोटापे का शिकार हो सकता है। पौष्टिक भोजन स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण आधारशिला है और अच्छे पोषण के लिए जरूरी है कि फास्ट फूड का बजाय घर में बने पारंपरिक और पौष्टिक आहार के सेवन को ही प्राथमिकता दें, मुख्य आहार के स्थान पर स्नैक्स का सेवन करने से बचें, चीनी और अस्वस्थ प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित मात्रा में करें, खाने से पहले फल-सब्जियों को अच्छे तरह से धोएं और यथासंभव कच्चे फल-सब्जियों का सेवन करें क्योंकि पकाने से कई पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, कम से कम प्रसंस्करण आहार के साथ ताजा भोजन अवश्य करें। (लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और ‘सागर से अंतरिक्ष तक: भारत की रक्षा क्रांति’ सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

### आज का राशिफल

मे़ष- समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6 वृष- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5 मिथुन- जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। प्र प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6 कर्क- शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह- पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ड़क्षचता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9 कन्या- शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला- समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9 वृश्चिक- किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़बटने और परिवार के बुजुर्ग- जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-5-7-9

धनु- बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। कुछ आर्थिक ड़क्षचताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भाग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-4-7-8 मकर- व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। प्रियजनों से सम्गम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। पारमर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9 कुम्भ- आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन- कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्याधिक्रय का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

# युवाओं को साधने की नई रणनीति: नितिन नवीन की बैठक से भाजपा ने खोला 2027 का चुनावी मोर्चा



केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव, युवा मामलों एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया तथा केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित कई वरिष्ठ नेता भी बैठक में शामिल हुए। स्मृति ईरानी, गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय वर्मा जैसे नेताओं की भागीदारी से साफ है कि यह केवल युवा मोर्चे की बैठक नहीं थी, बल्कि व्यापक राजनीतिक रणनीति तैयार करने का प्रयास था। सूत्रों के अनुसार, इस महत्वपूर्ण विमर्श के लिए देशभर से 40 से अधिक नेताओं को आमंत्रित किया गया था। पार्टी की ओर से बैठक में हुई चर्चाओं पर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन बैठक का समय और इसमें शामिल नेताओं का स्वरूप बताता है कि भाजपा 2027 के चुनावों को लेकर अभी से जमीन तैयार करना चाहती है। खासतौर पर जेन जी यानी नई पीढ़ी के मतदाताओं को लेकर पार्टी को अपनी रणनीति में बदलाव की आवश्यकता महसूस हो रही है।

जेन जी की नाराजगी दूर करने की कोशिश हाल के वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार, शिक्षा और अवसरों से जुड़े मुद्दों को लेकर युवाओं में असंतोष देखने को मिला है। नीट जैसी परीक्षाओं से जुड़े विवादों ने भी युवा वर्ग में नाराजगी को राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाया। ऐसे माहौल में भाजपा के सामने चुनौती केवल सरकार की उपलब्धियां गिनाने की नहीं, बल्कि युवाओं की शिकायतों को सुनने और उन्हें यह भरोसा दिलाने की है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए प्रेंड्स शब्द का इस्तेमाल इसी संवाद की शैली का हिस्सा माना जा सकता है। संदेश यह है कि सरकार और पार्टी नई पीढ़ी को अपने विरोधी खेमे के रूप में नहीं देखती। युवाओं की नाराजगी को राजनीतिक टकराव

में बदलने के बजाय उनके साथ संवाद स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि इस रणनीति की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि युवाओं की वास्तविक समस्याओं के समाधान को कितना प्रभावी ढंग से जमीन पर उतारा जाता है। नशामुक्ति को युवाओं के अभियान से जोड़ने की पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 13वें एपिसोड में युवाओं से नशामुक्त भारत अभियान को जन आंदोलन बनाने की अपील की। उन्होंने युवाओं से नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने वाले वीडियो और अन्य रचनात्मक कंटेंट तैयार करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने माना कि युवाओं की रचनात्मक क्षमता और सोशल मीडिया की व्यापक पहुंच का इस्तेमाल नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने में किया जा सकता है। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो नशामुक्ति का मुद्दा भाजपा के लिए युवाओं तक पहुंच बनाने का एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। पंजाब सहित कई राज्यों में नशे की समस्या लंबे समय से गंभीर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रही है। ऐसे में नशामुक्ति को केवल सरकारी अभियान के बजाय युवाओं के नेतृत्व वाले सामाजिक अभियान का रूप देने की कोशिश पार्टी के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। युवा यदि स्वयं वीडियो, पोस्ट, अभियान और जागरूकता सामग्री तैयार करते हैं तो संदेश राजनीतिक भाषण की तुलना में अधिक सहजता से नई पीढ़ी तक पहुंच सकता है। आज की जेन जी राजनीति को पारंपरिक भाषणों और पोस्टरों से अलग नजरिए से देखती है। वह मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जानकारी हासिल करती है और अपनी प्रतिक्रिया भी उसी माध्यम से देती है। भाजपा इस बदलाव को समझते हुए युवाओं के लिए यूप तरह के कंटेंट और युवाओं की रणनीति तैयार कर रही है। मन की बात में नशामुक्ति पर कंटेंट बनाने की अपील और दूसरी ओर

नितिन नवीन की युवा आउटरीच बैठक, दोनों घटनाओं को एक व्यापक रणनीति के हिस्से के रूप में देखा जा सकता है। पार्टी युवाओं को केवल राजनीतिक संदेश का उपभोक्ता बनाने के बजाय उन्हें संदेश का निर्माता भी बनाना चाहती है। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में स्वच्छता के महत्व का उल्लेख करते हुए उत्तर प्रदेश के रामपुर के पटवाई गांव के युवाओं आकाश और रोहन का उदाहरण दिया। दोनों ने क्लीन अप पटवाई टीम बनाकर युवाओं के साथ गंगा घाटों की सफाई की, तालाबों को संवारा और बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा हटया। इसी तरह आंध्र प्रदेश के कडपा के किसान वरदराज की एंथेकाडो खेती का उदाहरण देकर प्रधानमंत्री ने कृषि में नए अवसरों और युवाओं की बदलती सोच की ओर भी ध्यान खींचा। इन उदाहरणों के माध्यम से सरकार यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि युवा केवल नौकरी तलाशने वाला वर्ग नहीं, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था में नए अवसर पैदा करने वाला वर्ग भी हैं। स्वच्छता, खेती, खेल, तकनीक, नवाचार और नशामुक्ति जैसे मुद्दों को जोड़कर युवाओं के लिए सकारात्मक भागीदारी का रास्ता तैयार किया जा सकता है। 2027 में अंत तक देश से कुपोषण खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन पोषण अभियान फंड के इस्तेमाल में जिस तरह की उदासीनता देखी जाती रही है, उसे

अब असली परीक्षा रणनीति को जमीन पर लागू करने की होगी। नशामुक्ति का संदेश, रोजगार और शिक्षा से जुड़े सवाल, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता, डिजिटल संवाद और युवाओं की भागीदारी यदि वास्तविक नीतियां और प्रभावी कार्रवाई से जुड़ते हैं, तभी भाजपा नई पीढ़ी का विश्वास हासिल कर सकेगी। केवल नारां और सोशल मीडिया अभियानों से यह दूरी पूरी नहीं होगी। युवाओं को विश्वास दिलाना होगा कि उनकी आवाज सुनी जा रही है और उनके भविष्य को राजनीतिक प्राथमिकता दी जा रही है। 2027 के चुनावों में यही भरोसा भाजपा की रणनीति की सबसे बड़ी कसौटी बनने वाला है।

# दिल्ली में डेंगू-मलेरिया का बढ़ा प्रकोप, एमसीडी की फॉगिंग पर पार्षदों ने उठाए सवाल, बोले- मशीनें खराब, दवाएं भी नहीं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी दिल्ली में मच्छरजनित बीमारियों का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। डेंगू के जहां 311, मलेरिया के 119 और चिकनगुनिया के 22 मरीजों की पुष्टि हो चुकी है लेकिन एमसीडी जमीनी स्तर पर कोई कार्य नहीं कर रही है। न तो फागिंग हो रही है न ही दवाओं का छिड़काव हो रहा है। इससे मरीजों की संख्या और बढ़ने का अनुमान है। एमसीडी की स्थायी समिति की बैठक में स्वयं भाजपा के ही पार्षदों ने यह मुद्दा उठाया। हेमचंद गोयल द्वारा लगाए गए अल्पकालिक चर्चा पर यह बात सामने आई। हेमचंद गोयल ने कहा कि न तो फागिंग हो रही है और बड़ी गाड़ियों पर इलाके में फागिंग की जाती थी वह भी अभी तक शुरू नहीं हुई है। इससे मरीजों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि दवाइया तक नीचले स्टाफ के पास नहीं है। हालांकि निगम स्वास्थ्य अधिकारी-2 अशोक रावत ने जमीनी स्तर पर कार्य करने की बात कही जिसे एक सिरे से स्थायी समिति के ज्यादातर पार्षदों ने खारिज कर दिया। साथ ही उन्होंने बोला की हर वार्ड में तीन से चार मशीनें फागिंग की दे रखी है। जिस पर स्थायी समिति के सभी पार्षदों ने इसे खारिज कर दिया। पार्षदों ने यह



भी कहा कि यह मशीनें खराब है चलती तक नहीं है। साथ ही जो मशीनें हैं उनके चलाने के लिए कर्मचारी तक नहीं है। जो मौजूदा डीबीसी कर्मी है वह यह मशीनें चलाने के लिए मना करते हैं।

**स्थिति बहुत खराब:** स्थायी समिति के डिप्टी चेयरमैन सत्यपाल सिंह ने कहा कि स्थिति बहुत खराब है। मच्छरजनित बीमारियों को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्मचारी कहते हैं उनके पास दवाइयां नहीं है।

क्योंकि जब भी जोनल अधिकारियों से बात कही जाती है तो वहीं कहते हैं कि दवा की कमी है।

नेता सदन जयभगवान यादव ने कहा कि डीबीसी कर्मचारी क्योंकि अब एमटीएस हो गए हैं तो उन्हें भी यह मशीनें चलानी पड़ेगी इसके लिए उन्होंने सफुल निकालने की बात कही। अशोक रावत के दावां पर स्थायी समिति की चेयरपर्सन सत्या शर्मा ने कहा कि जो बाते अधिकारियों की ओर से कही जा रही है वह

पार्षदों के अनुसार सही साबित नहीं होती है। इसलिए अधिकारी इन सभी प्रश्नों का उत्तर लिखित में दें। उल्लेखनीय है कि एमसीडी की रिपोर्ट के अनुसार वहीं, शशि यादव ने

अस्पतालों में एच1 एन1 की कोई तैयारी न होने की भी बात कही। साथ ही सवाल उठाया कि निगम के अस्पतालों में इसके लिए कोई कार्य नहीं हो रहा है।

**बेसहारा गावों की समस्या पर दैनिक की खबर हुई चर्चा**

दिल्ली में बेसहारा गावों से होने वाली परेशानी का मुद्दा स्थायी समिति की बैठक में उठा। दैनिक द्वारा वसंत कुंज में बेहसहारा गावों की समस्या को लेकर उठाई गई खबर का जिक्र स्थायी समिति में भाजपा पार्षद जगमोहन मेहलावत ने किया। उन्होंने कहा कि दैनिक ने इस समस्या को उठाया है। ऐसे में हमें चिंता करनी चाहिए कि बेसहारा गावों को गोशाला में भेजा जाए। हालांकि अधिकारियों ने गोशालाओं की क्षमता पूरी होने के कारण इसमें आने वाली समस्याओं को भी बताया। जबकि पार्षदों ने एमसीडी पर इन गावों को पकड़ने के लिए पर्याप्त संसाधन न होने की बात भी कही।

**पीपीपी माडल पर राजनबाबू टीबी अस्पताल में मेडिकल कालेज: राजन बाबू संक्रामक रोग अस्पताल में पीपीपी माडल पर मेडिकल कालेज बनाया जाएगा। इसके लिए एसबीआई को एमसीडी ने वित्तीय सलाहकार के तौर पर नियुक्त किया है। माना जा रहा है मेडिकल कालेज पीपीपी माडल पर होगा उसके दो हिस्से होंगे एक में जहां एमसीडी में इलाज के लिए आने वाले मरीजों का इलाज न्यूनतम दरों पर किया जाएगा जबकि दूसरे में शुल्क लेकर इलाज की सुविधा प्रदान की जाएगी।**

विपक्ष ने लगाया अनिमितयता का आरोप: स्थायी समिति की बैठक में आप नेता प्रदीप कुमार ने विभिन्न प्रस्तावों में अनिमितयता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कई ऐसे प्रस्ताव हैं जिनको अग्रिम मंजूरी दे दी गई। जबकि निगम एक्ट में ऐसा कोई प्राविधान नहीं है। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि टोल से लेकर ईसीसी वसूली में भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि वह इसकी शिकायत सीबीआई को करेंगे।

## आंध्र प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही, मलेरिया की दवा खाते ही 50 से अधिक बीमार, 7 साल की बच्ची की मौत



**अमरावती, एजेंसी।** आंध्र प्रदेश के पल्लावम जिले से एक बेहद दुखद और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां मलेरिया से लड़ने के लिए बांटी गई क्लोरोक्वीन की गोलियां खाने के बाद सात साल की एक मासूम बच्ची की मौत हो गई, जबकि 52 अन्य लोग बीमार पड़ गए हैं, जिसका इलाज अस्पताल और स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। अधिकारियों के मुताबिक, तेलंगाना की अंतः-राज्यीय सीमा से लगे पलावाड़म जिले के गोलागुप्पा गांव में मलेरिया से बचाव के लिए 71 लोगों को एंटी-मलेरिया

गोलियां दी गई थीं।

**दवा खाते ही बिगड़ने लगी तबीयत:** मिली जानकारी के अनुसार दवा खाने के कुछ देर बाद ही कई लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। हालात को गंभीर देखते हुए प्रशासन ने तुरंत ऐक्शन लिया और 29 मरीजों को तेलंगाना के एक अस्पताल में, जबकि 24 मरीजों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। इस हादसे में दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली 7 साल की बच्ची माडिबी जमुना की इलाज के दौरान मौत हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक, बाकी अन्य मरीजों की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है।

**प्रशासन और सरकार की कार्रवाई**

घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों से पूरी रिपोर्ट मांगी है और इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही, पीड़ितों को बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जिला कलेक्टर दिनेश कुमार ने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं और स्थिति नियंत्रण में है। मरीजों की देखरेख के लिए प्रशासन ने तुरंत कदम उठाए हैं।

काकीनाडा सरकारी जनरल अस्पताल से 9 सदस्यों की एक विशेष मेडिकल टीम गांव पहुंच चुकी है। विजयवाड़ा, राजमहेंद्रवरम और काकीनाडा से तीन और विशेष टीमें जल्द ही पहुंचने वाली हैं। गांव में ही एक मेडिकल कैम्प लगाकर विशेष डॉक्टरों की तैनाती की गई है, जो लगातार मरीजों की सेहत पर नजर बनाए हुए हैं। फिलहाल बच्ची की मौत के असल कारणों की आधिकारिक जांच की जा रही है, और स्वास्थ्य विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि आखिर दवा खाने के बाद लोगों की तबीयत इतनी कैसे बिगड़ गई।

## दिल्ली से मथुरा और वाराणसी के लिए चलेंगी जन्माष्टमी स्पेशल ट्रेनें

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जन्माष्टमी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मथुरा और अन्य धार्मिक स्थानों पर जाते हैं। इससे ट्रेनों में भीड़ बढ़ जाती है। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने दिल्ली से मथुरा, रीमस और वाराणसी के लिए विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। मथुरा और रीमस जन्माष्टमी विशेष ट्रेनें में सिर्फ अनारक्षित कोच लगाए जाएंगे।

हजरत निजामुद्दीन-मथुरा (04410/04409)- तीन, चार और पांच सितंबर को यह विशेष अनारक्षित ट्रेन हजरत निजामुद्दीन से पूर्वाह्न 10.30 बजे रवाना होकर दोपहर 1.05 बजे मथुरा पहुंचेगी। वापसी में मथुरा से दोपहर 1.35 बजे चलकर शाम पौने पांच बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी।

हजरत निजामुद्दीन-मथुरा (04412/04411)- तीन, चार और पांच सितंबर को यह विशेष अनारक्षित



ट्रेन हजरत निजामुद्दीन से सुबह 9.45 बजे चलकर दोपहर 12.20 बजे मथुरा पहुंचेगी। वापसी में दोपहर 12.50 बजे मथुरा से चलकर शाम साढ़े चार बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। रास्ते में इसका ठहराव ओखला, तुगलकाबाद, फरीदाबाद, फरीदाबाद न्यू टाउन, बल्लभगढ़, असावती, पलवल, रुंधी, शोलाका, बनचारी, होडल, कोसी कलां,

छाता, अझई, वृंदावन और भुतेश्वर में होगा। पुरानी दिल्ली-रीमस (04415/04416)- तीन, चार और पांच सितंबर को यह विशेष अनारक्षित ट्रेन पुरानी दिल्ली से शाम 6.50 बजे रवाना होकर रात 12.40 बजे रीमस पहुंचेगी। वापसी में चार, पांच और छह सितंबर को तड़के दो बजे रीमस से चलकर सुबह सात बजे पुरानी दिल्ली

पहुंचेगी। रास्ते में इसका ठहराव दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली कैंट, गुडगांव, पटौदी, रेवाड़ी, नारनौल और नीम का थाना रेलवे स्टेशन पर होगा। पुरानी दिल्ली-वाराणसी विशेष (04446-04445)- तीन और पांच सितंबर को यह विशेष ट्रेन पुरानी दिल्ली से रात 9.10 बजे चलेगी और अगले दिन अपराह्न तीन बजे वाराणसी पहुंचेगी। वापसी में चार और छह सितंबर को वाराणसी से देर शाम सवा आठ बजे रवाना होकर अगले दिन पूर्वाह्न 11.45 बजे पुरानी दिल्ली पहुंचेगी। इसमें वातानुकूलित, शयनयान व सामान्य श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे। रास्ते में इसका ठहराव नई दिल्ली, गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई, लखनऊ, अयोध्या कैंट और जौनपुर रेलवे स्टेशन पर होगा।

## यूएस वीजा नियम: भारतीय पेशेवरों-निवेशकों को सितंबर में भी राहत नहीं; नौकरी छोड़ भारत लौटें दिशा ने क्या बताया



**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका ने वर्ष 2026 का आखिरी वीजा बुलेटिन जारी किया है। भारतीय उच्च योग्यता वाले पेशेवरों व निवेशकों को सितंबर में भी राहत नहीं मिलेगी। ईबी-2 व ईबी-5 अनारक्षित श्रेणियां उपलब्ध नहीं हैं। अगस्त में लागू स्थिति सितंबर में भी रहेगी। यानी इन दोनों श्रेणियों में नई प्रगति नहीं होगी। सितंबर वर्ष 2026 का आखिरी महिना है। विदेश मंत्रालय ने संकेत दिया कि 30 सितंबर तक वार्षिक वीजा सीमा पूरी होने पर कुछ रोजगार श्रेणियों में उपलब्धता और घट सकती है। इनमें ईबी-1, ईबी-2 व ईबी-5 अनारक्षित प्रमुख हैं। ईबी-4 में बदल: रोजगार आधारित श्रेणियों में ईबी-4 में सभी देशों के लिए दो माह की बढ़त हुई है। इसकी तारीख 15

रहने के साथ एच-1बी से जुड़ी पाबंदियों व लगातार होने वाली औपचारिकताओं को भी वापसी की वजह बताया है। लांबा 2021 में न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में मास्टर्स डिग्री करने अमेरिका गई थीं। 2024 में उन्हें सीबीएस हेल्थ में डाटा साइंटिस्ट की नौकरी मिली। बिजनेस इन्साइडर को बताया कि अमेरिका में उन्हें स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनने का मौका मिला। लेकिन परिवार से दूरी लगातार महसूस होती रही। उन्होंने कहा कि एच-1बी पर नौकरी बदलना, वेटन वाली नौकरी करने वाली 28 वर्षीय भारतीय दिशा लांबा मई 2026 में नौकरी छोड़कर गुरुग्राम लौट आईं। उन्होंने परिवार के करीब

### ऐसा गृहयुद्ध होता, जिससे हम कभी उबर नहीं पाते: जेडी वेंस का बड़ा खुलासा, दुनिया के छात्रों पर भी बोले

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक पॉडकास्ट में चौंकाने वाला बयान देते हुए कहा कि अगर 2024 में डोनाल्ड ट्रंप पर हूए हमले में उनकी मौत हो जाती तो देश में ऐसा गृह युद्ध होता, जिससे अमेरिका कभी उबर नहीं पाता। पॉडकास्ट में वेंस ने दुनिया के अंत पर भी अपने विचार साझा किए। ईसाई पॉडकास्टर ब्राइस क्रॉफर्ड के साथ बातचीत में जेडी वेंस ने धर्म, अध्यात्म समेत कई मुद्दों पर अपने विचार रखे।

**'ट्रंप की मौत से अमेरिका में छिड़ जाता गृह युद्ध:** साल 2024 में अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति पर जानलेवा हमला हुआ था। उस हमले में ट्रंप बाल-बाल बचे थे और एक गोली उनके कान को छूकर निकली थी और ट्रंप के एक समर्थक की मौत हो गई थी। उस घटना पर जेडी वेंस ने कहा, 'अगर 2024 में हुई हत्या की कोशिश में डोनाल्ड ट्रंप की मौत हो जाती, तो वे हमेशा सोचते रहते कि यह किसी साजिश का हिस्सा था और शायद वे किसी दूसरे रिपब्लिकन को भी अपना राष्ट्रपति मानने को तैयार नहीं होते।' ट्रंप खुद भी 2024 के हमले में खुद की जान बचने को देवीय कृपा मानते रहे हैं, और वेंस भी ऐसा ही मानते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, 'अगर गोली से ट्रंप की मौत हो जाती, तो देश में ऐसा गृह-संघर्ष होता जिससे शायद देश कभी उबर नहीं पाता।' वेंस ने कहा, 'ट्रंप के कई समर्थकों को लगता कि किसी साजिश के तहत उनका चुनाव हुआ राष्ट्रपति छोन लिया गया, और उनके मन में भी कहीं न कहीं ऐसे ही विचार आते। इससे हमारे पूरे राजनीतिक सिस्टम की वैधता पर ही सवाल उठ जाता।

## पश्चिम एशिया में चीन बढ़ा रहा दखल: मिस्र पहुंचे शी जिनपिंग

### ● अमेरिका के करीबी देश में बीजिंग की बढ़ रही पकड़

**काहिरा, एजेंसी।** चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस सप्ताह मिस्र के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। यह यात्रा चीन और मिस्र के बीच आर्थिक एवं राजनयिक संबंधों को मजबूत करने की सामान्य कवायद नजर आती है, लेकिन इसके पीछे पश्चिम एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव की बड़ी रणनीति भी देखी जा रही है। अमेरिका के प्रमुख वैश्विक प्रतिद्वंद्वी चीन के लिए मिस्र पश्चिम एशिया में अपनी मौजूदगी मजबूत करने का अहम केंद्र बनता जा रहा है। वहीं, मिस्र अमेरिका का एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। ऐसे में शी की काहिरा यात्रा को दोनों देशों के रिश्तों से आगे क्षेत्रीय भू-राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

**मिस्र पहुंचे शी जिनपिंग, हुआ भव्य स्वागत:** शी जिनपिंग मंगलवार शाम काहिरा एयरपोर्ट पहुंचे। उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट को चीन और मिस्र के

**चीन-मिस्र के रिश्तों में क्यों आई तेजी:** चीन और मिस्र इस साल अगस्त में राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं। इसी मौके पर दोनों देशों के नेताओं ने मंगलवार को मिस्र के सरकारी अखबारों में दोस्ताना लेख भी प्रकाशित किए। शी जिनपिंग ने दोनों देशों से विकास के जरिए व्यावहारिक सहयोग का दायरा बढ़ाने की अपील की। वहीं, अल-सीसी ने मिस्र में चीन के निवेश की सराहना की और ताइवान को चीन का हिस्सा मानने वाले बीजिंग के दावे के समर्थन को दोहराया। मिस्र चीन के साथ बढ़ते रिश्तों को अपनी रणनीतिक साझेदारियों में विविधता लाने के अवसर के तौर पर देखता है।

**ब्रिक्स से बेल्ट एंड रोड तक चीन की बढ़ती पकड़:** मिस्र को 2023 में ब्रिक्स में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। यह समूह उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक प्रमुख मंच है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश शामिल हैं।

इसके एक साल बाद मिस्र और चीन ने चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत सहयोग के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह पहल दुनियाभर में बुनियादी ढांचे और परिवहन नेटवर्क के निर्माण के जरिए चीन की आर्थिक और रणनीतिक पहुंच बढ़ाने पर केंद्रित है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चीन मिस्र में 10 अरब डॉलर से अधिक का निवेश कर चुका है। इनमें काहिरा के सराहना की और ताइवान को चीन का हिस्सा मानने वाले बीजिंग के दावे के समर्थन को दोहराया। मिस्र चीन के साथ बढ़ते रिश्तों को अपनी रणनीतिक साझेदारियों में विविधता लाने के अवसर के तौर पर देखता है।

**पश्चिम एशिया में अमेरिका को चुनौती देने की कोशिश:** चीन लंबे समय से पश्चिम एशिया में अपनी कूटनीतिक और आर्थिक भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। 2023 में बीजिंग

ने ईरान और सऊदी अरब के बीच राजनयिक संबंध बहाल कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। यह कदम पश्चिम एशिया में अमेरिका के प्रभाव को चुनौती देने की चीन की महत्वाकांक्षा का महत्वपूर्ण उदाहरण माना गया। हालांकि, इसके बाद से तेहरान और रियाद के रिश्तों में फिर तनाव देखने को मिला है। चीन खुद को क्षेत्र में एक मध्यस्थ और स्थिरता कायम करने वाली ताकत के रूप में पेश करता रहा है। इजरायल-फिलिस्तीन विवाद पर भी बीजिंग लंबे समय से दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन करता है।

**स्वेज नहर पर चीन की नजर क्यों:** ईरान युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल की आवाजाही प्रभावित होने के बीच मिस्र की स्वेज नहर ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक मार्ग बन गई है। पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच समुद्री व्यापार के लिए स्वेज नहर की अहमियत को देखते हुए चीन के लिए मिस्र के साथ रिश्ते मजबूत करना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

### सौक्षिप्त समाचार

**एनएचआई टोल प्लाजा कलेक्शन धोखाधड़ी मामले में ईडी का एक्शन**

दिल्ली-यूपी समेत सात राज्यों में मारा छापा



**लखनऊ, दिल्ली, एजेंसी।** प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को कई राज्यों में छापेमारी की। यह छापेमारी नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचआई) के अलग-अलग टोल प्लाजा पर धोखाधड़ी से टोल वसूली से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत की गई। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर और पश्चिम बंगाल में लगभग 14 जगहों पर तलाशी ली गई। केंद्रीय एजेंसी द्वारा पुलिस की दो एफआईआर का संज्ञान लेने के बाद प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत यह कार्रवाई शुरू की गई।

**एफआईआर में क्या आरोप लगाया गया:** एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि टोल रसीदें बनाने के लिए अनधिकृत सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन का इस्तेमाल किया गया और टोल से हुई कमाई को आधिकारिक आकाउंटिंग सिस्टम से बाहर डायवर्ट किया गया।

**रिकॉर्ड से हुई धोखाधड़ी की पुष्टि:** ईडी अधिकारियों ने बताया कि फॉरेंसिक जांच और नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के रिकॉर्ड से ऐसे सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि इस छापेमारी का मकसद डिजिटल और दस्तावेजी सबूत जुटाना, लाभांशियों की पहचान करना और अपराध से हुई कमाई का पता लगाना है।

**किसान मोर्चा का दूसरा दिन मोहाली फेज 11 में ट्रैक्टरों से भरा इलाका**

लगातार बढ़ रही किसानों की संख्या

**मोहाली, एजेंसी।** संयुक्त किसान मोर्चा की तरफ से अपनी मांगों को लेकर मोहाली -चंडीगढ़ बोर्डर पर लगाए पक्के मोर्चा का आज दूसरा दिन है। पहले दिन तो औपचारिक स्ट्रेज चला था। आज से सुबह 11से 2बजे तक किसान नेता अपनी बात रखेंगे। आज सुबह पंजाब के इलाकों से काफी संख्या में किसान और ट्रैक्टर ट्रालियां पहुंच गई हैं। किसानों के पहुंचने से मंगलवार देर रात काफी किसान पहुंच गए थे जिसके बाद निश्चित किए गए स्थान पर जगह नहीं बची थी। आज और ज्यादा किसान पहुंच रहे हैं।





## ओटीटी पर 4 सितंबर को आएंगी 6 नई फिल्में-सीरीज



शुक्रवार का इंटरजान अब खत्म होने जा रहा है क्योंकि ओटीटी पर फिल्मों और सीरीज का मेला लगने जा रहा है तो ऐसे मे हम आपको यहां कुछ फिल्मों और सीरीज के बारे में बता रहे हैं जिन्हें आप अपनी वॉचलिस्ट में शामिल कर सकते हैं। एक तेलुगु म्युजिकल झमा वेब सीरीज है, जो अमेजन प्राइम वीडियो की लोकप्रिय हिंदी ऑरिजिनल सीरीज बंदिश बैंडिट्स की आधिकारिक रीमेक है। कहानी बालू नाम के एक युवा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शास्त्री नाम के एक दिग्गज शास्त्रीय संगीतकार का पोता है। शास्त्री ने अपना पूरा जीवन कर्नाटक संगीत की साधना में समर्पित कर दिया है। कहानी गोदावरी नदी के किनारे बसे वैकुंठपुरम नाम के एक मंदिर शहर की है। यहां संगीत सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि परिवार की पहचान और विरासत का अहम हिस्सा है।

**मेडे :** जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एयर क्रैश इन्वेस्टिगेशन के नाम से भी जाना जाता है, एक बेहद लोकप्रिय कनाडाई डॉक्युमेंट्री टेलीविजन सीरीज है। इसकी कहानी किसी काल्पनिक नाटक पर आधारित नहीं होती, बल्कि यह वास्तविक जीवन में हुई बड़ी हवाई दुर्घटनाओं, अपहरणों और विमान हादसों के पीछे की असली सच्चाइयों और जांच की कड़ियों को दिखाती है। कहानी एथ्वस ड्रडवू के दौर की है।

**धमाल 4 :** फिल्म की कहानी पिछली फिल्मों की तरह ही एक बार फिर खजाने की तलाश और पैसों के लालच के इर्द-गिर्द घूमती है। इस बार भी कहानी में कई टोलियां और किरदार हैं, जो पैसों और खजाने को पाने के लिए पागल हैं। खजाने तक पहुँचने के रास्ते में सभी किरदार शेर, डेल, मगरमच्छ, साप, गहरी खाइयों और तूफानों जैसी अजीब और खतरनाक परिस्थितियों से गुजरते हैं। एक पुराने डाकू शैतान सिंह के छिपाए हुए खजाने से होती है। उसके पास करीब 50 करोड़ रुपये का खजाना होता है, जिसे वह एक रहस्यमयी जगह पर छिपा देता है।

**कोट :** यह वेब सीरीज सोनी लिव पर रिलीज हुई एक लीगल-ड्रामा और कॉमेडी वेब सीरीज है, जो छोटे शहर की जिला अदालतों की अनूठी दुनिया और एक बाप-बेटे की कहानी को दिखाती है। इस सीरीज की कहानी सरजनपुर नामक एक काल्पनिक छोटे शहर के कोर्ट परिसर पर आधारित है। इसमें हरीश माथुर (पवन मल्होत्रा) एक दिग्गज और मशहूर वकील हैं। उनका बेटा (आशीष वर्मा) अपने पिता की बड़ी हसरतों और उनके साथे के नीचे अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष करता है।

**उन्मादम :** एक मलयालम क्राइम थ्रिलर कहानी है, जो एक पुलिस वाले और एक पुराने रहस्यमयी केस की जांच पर आधारित है। कहानी एक सिविल पुलिस अधिकारी के बारे में है, जो अपनी उबाऊ नौकरी से परेशान है।

**अर्ल मीट्स वर्ल्ड :** एक अनस्क्रिप्टेड रियलिटी टीवी डॉक्युसीरीज है, जो लोकप्रिय टिकटॉक स्टार और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एलिवस अर्ल के निजी और व्यावसायिक जीवन पर आधारित है। चूंकि यह एक रियलिटी शो है, इसलिए इसमें कोई काल्पनिक कहानी नहीं है, बल्कि यह एलिवस अर्ल की असल जिन्दगी के उतार-चढ़ाव और उनके बड़े आधुनिक परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है।



## विठाबाई बन श्रद्धा ने जीता दिल

श्रद्धा कपूर जब भी किसी कैरेक्टर को पर्दे पर पेश करती हैं तो उसके साथ पूरी तरह से न्याय करती नजर आती हैं। अब उन्हें आने वाली फिल्म ईथा में अपने किरदार के लिए सुर्खियां बटोरते हुए देखा जा रहा है। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का टीजर आज कॉकटेल 2 के साथ सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। इसमें एक्ट्रेस ने जिस शिद्दत से अपने किरदार को निभाया है वह देखकर दर्शकों का दिल खुश हो गया है। फिल्म में महाराष्ट्र की मशहूर तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की जिंदगी को दिखाया गया है। इसमें 1940 से 1990 के दशक तक की कहानी दिखाई जाएगी। जिसमे उनके मशहूर होने के सफर से लेकर संघर्ष सब कुछ शामिल है। फिल्म की पहली झलक फैंस को बहुत पसंद आ रही है। जो दर्शक शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की आज रिलीज हुई फिल्म कॉकटेल 2 देखने के लिए पहुंचे। उन्हें एक बड़ा सरप्राइज़ भी मिला। जैसे ही फिल्म का पहला शो शुरू हुआ श्रद्धा कपूर की हैरान करने वाली झलक दिखाई दी। लावणी डॉंसर के रोल में वह शानदार लगे रही थीं। फिल्म के टीजर की बात करें तो ईथा में मशहूर लावणी कलाकार की जिंदगी के सबसे यादगार पलों को दिखाया गया है। श्रद्धा इस सीन में पूरी तरह से डूबी हुई दिखाई दे रही हैं। यह बताया गया है कि किस तरह विठाबाई प्रेग्नेंट होने के बावजूद भी स्टेज पर जबरदस्त परफॉर्म करती हैं।

शो के दौरान उन्हें एहसास होता है कि बच्चे का जन्म होने वाला है लेकिन शो को बीच में ना छोड़कर वह बैकस्टेज पर बच्चे को जन्म देती हैं। यहां हिम्मत की अनोखी मिसाल दिखाई गई है क्योंकि वह पत्थर से गर्भनाल काटती हैं और परफॉर्मेंस पूरा करने के लिए वापस स्टेज पर आ जाती हैं। उनकी हिम्मत और लगन दर्शकों को हैरान कर देती है और लोग तालियां बजाने लगते हैं। विठाबाई महाराष्ट्र की बहुत प्रसिद्ध लावणी कलाकार थी। उनकी जिंदगी की सबसे अहम घटना वह थी जब उन्होंने अपने बच्चे को जन्म दिया। वह 9 महीने के गर्भवती थी और दर्शकों के सामने परफॉर्म कर रही थीं। परफॉर्मेंस के दौरान उन्हें एहसास हुआ कि बच्चे का जन्म होने वाला है इसके बाद एक समझदार और बहादुर महिला होने के नाते उन्होंने बैक स्टेज पर बच्चे को जन्म दिया और वापस अपना शो पूरा किया।



## पोस्टपार्टम अपीयरेंस पर कैटरिना हुई ट्रोल, शिवालिका ने दिया करारा जवाब

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरिना कैफ इन दिनों अपने हालिया पोस्टपार्टम लुक को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। दरअसल, अभिनेत्री हाल ही में अपने पति विक्की कौशल के साथ फिल्ममेकर कुक्कु कोहली की प्रार्थना सभा में पहुंची थीं। इस दौरान सामने आई उनकी तस्वीरों और वीडियो पर कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके बदले हुए लुक और शरीर को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। अब अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय कैटरिना के समर्थन में सामने आई हैं और उन्होंने ऐसी सोच रखने वाले ट्रोलर्स को जमकर फटकार लगाई है। प्रार्थना सभा से सामने आई तस्वीरों में कैटरिना का लुक देखने के बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उनके चेहरे और शरीर को लेकर टिप्पणी की। कई यूजर्स ने सवाल किया कि अभिनेत्री के लुक में बदलाव क्यों नजर आ रहा है, जबकि कुछ टिप्पणियां इससे भी आगे बढ़कर उनके शरीर का मजाक उड़ाने वाली थीं। सोशल मीडिया पर इस तरह की बातें सामने आने के बाद एक बार फिर सेलिब्रिटीज के निजी जीवन और उनके शरीर को लेकर लोगों की सोच पर बहस शुरू हो गई।

शिवालिका ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए उन लोगों पर नाराजगी जाहिर की, जो मां बनने के बाद महिला के शरीर में आए बदलावों को लेकर सवाल उठाते हैं। उन्होंने साफ शब्दों में बताया कि मातृत्व के बाद शरीर का बदलना कोई असामान्य बात नहीं है। प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के बाद महिला को शारीरिक और मानसिक तौर पर कई बदलावों से गुजरना पड़ता है।

अभिनेत्री ने अपने पोस्ट में इस बात पर जोर दिया कि पोस्टपार्टम समय हमेशा एक जैसा नहीं होता। कभी शरीर में सूजन महसूस हो सकती है, कभी थकान रहती है और कई बार महिला का शरीर पहले की तुलना में अलग दिखाई देता है।

शिवालिका ने सोशल मीडिया पर दिखाई जाने वाली उस छवि पर भी सवाल उठाया, जिसमें मां बनने के तुरंत बाद महिला को बिल्कुल पहले जैसी फिट और परफेक्ट दिखने की उम्मीद की जाती है। उन्होंने ऐसी सोच को वास्तविकता से दूर बताया। उनका कहना था कि मातृत्व के सफर में अच्छे और मुश्किल दोनों तरह के दिन आते हैं और हर महिला का अनुभव अलग हो सकता है।

कैटरिना कैफ और विक्की कौशल ने नवंबर 2025 में अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। दोनों ने अपने बेटे का नाम विहान कौशल रखा है। दिसंबर 2021 में शादी के बाद यह जोड़ी लगातार बॉलीवुड की चर्चित जोड़ियों में बनी रही है।



## गूगल पर नोरा को किया गया सबसे ज्यादा सर्च

*नोरा ने 12 जून को फीफा वर्ल्ड कप 2026 में शानदार परफॉर्मेंस दी थी, जिसके बाद से लोग उनके गानों, फिल्मों और निजी जिंदगी के बारे में जानने के लिए इंटरनेट पर उन्हें सर्च कर रहे हैं। नोरा फतेही की पॉपुलैरिटी सिर्फ बॉलीवुड तक सीमित नहीं है। उन्होंने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भी अपने शानदार परफॉर्मेंस से दुनियाभर के दर्शकों का दिल जीत लिया है।*

बॉलीवुड की मशहूर डॉंसर और एक्ट्रेस नोरा फतेही आज सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में अपनी पहचान बना चुकी हैं। अपने शानदार डॉंस, रग्लैमरस अंदाज और अलग स्टाइल की वजह से नोरा हमेशा चर्चा में रहती हैं। इस बीच उन्होंने एक और सफलता हासिल की है। दरअसल, नोरा गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली बॉलीवुड स्टार बन गई हैं। जी हां, नोरा ने 12 जून को फीफा वर्ल्ड कप 2026 में शानदार परफॉर्मेंस दी थी, जिसके बाद से लोग उनके गानों, फिल्मों और निजी जिंदगी के बारे में जानने के लिए इंटरनेट पर उन्हें सर्च कर रहे हैं। नोरा फतेही की पॉपुलैरिटी सिर्फ बॉलीवुड तक सीमित नहीं है। उन्होंने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भी अपने शानदार परफॉर्मेंस से दुनियाभर के दर्शकों का दिल जीत लिया है। सोशल मीडिया से लेकर गूगल तक, हर जगह उनके नाम की खूब चर्चा हो रही है, जिससे वह इस समय सबसे ज्यादा चर्चित सितारों में शामिल हो गई हैं।

गूगल ट्रेंड्स के आंकड़ों के मुताबिक, नोरा को गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च किया गया है, जिसके बाद वो गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली बॉलीवुड स्टार बन गई हैं। इतना ही नहीं उन्होंने प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट और दीपिका पादुकोण जैसी बड़ी एक्ट्रेस को भी पीछे छोड़ दिया है। दुनियाभर के लोग उनके बारे में जानने के लिए गूगल पर सर्च कर रहे हैं, जिससे उनकी ग्लोबल पॉपुलैरिटी का अंदाजा लगाया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 12 जून 2026 को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के उद्घाटन समारोह में नोरा फतेही की शानदार परफॉर्मेंस के बाद उनकी लोकप्रियता में अचानक जबरदस्त उछाल देखने को मिला। जैसे ही उनके परफॉर्मेंस के वीडियो और तस्वीरें इंटरनेट पर सामने आए, सोशल मीडिया पर उनकी खूब चर्चा होने लगी। फैंस ने उनके खूब वीडियो शेयर किए और पोस्ट पर भी रिएक्शन आने लगे। बता दें कि, इस उपलब्धि के बाद नोरा ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट भी शेयर किया। अपने पोस्ट में नोरा ने लिखा, मैं यह खुशी आप सभी के साथ शेयर करना चाहती हूँ, उन्होंने बताया कि उनके लिए यह पल इसलिए भी खास था क्योंकि इतने बड़े मोके पर उनके परिवार और करीबी लोग एक साथ मौजूद थे। इससे पहले भी उन्होंने फीफा वर्ल्ड कप से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए थे, जिन पर फैंस ने जमकर प्यार बरसाया था।



### भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम घोषित

## हैंड्सकॉम्ब, सैम कोस्टास को मौका

नई दिल्ली । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत ए टीम के खिलाफ होने वाली दो चार दिवसीय, और तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम की घोषणा कर दी गई है। पीटर हैंड्सकॉम्ब को ऑस्ट्रेलिया ए टीम में जगह मिली है। इससे उनके टेस्ट करियर को एक और मौका मिल सकता है। टीम में ब्रेंडन डोंगट और ड्वाइ रिचर्डसन भी हैं। ऑस्ट्रेलिया ए इस महीने के आखिर में दौरे के चार दिवसीय मैचों के लिए पुडुचेरी जाएगी, जिसके बाद तीन 50-ओवर के मैच होंगे। भारत ए के खिलाफ सीरीज बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले दौरे पर आ रहे कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के पास सीनियर टीम में जगह बनाने का यह मौका है। 35 साल के हैंड्सकॉम्ब चार दिन की टीम में सबसे उम्रदराज और सबसे अनुभवी खिलाड़ी



हैं। दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के पिछले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टूर के जमी चार टेस्ट में खेलने के बाद से इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला है और न ही ऑस्ट्रेलिया ए के लिए खेला है। आने वाले महीनों में ऑस्ट्रेलिया के भारत लौटने के साथ, यह टूर उन्हें सीनियर टीम में वापसी की दावेदारी का मजबूत मौका देता है। ऑस्ट्रेलिया सबकॉन्टिनेंटल कंडीशन के लिए अपने तेज गेंदबाजी विकल्प को देख रहा है, इसलिए डोंगट और रिचर्डसन पर भी ध्यान देने की संभावना है। रिचर्डसन कंधे की कई बड़ी सर्जरी के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लौटे हैं, जबकि टॉड मर्फी, सैम कॉन्स्टास और नाथन मैकखीनी उन नौ खिलाड़ियों में शामिल हैं जो पिछले साल लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के चार-दिवसीय मैचों से लौटे हैं। युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन स्पेंसर जॉनसन के साथ वन-डे टीम में हैं।

#### आईसीसी रैंकिंग

### विमेंस एशिया कप में ऑलराउंडर प्रदर्शन, टी20 करियर की बेस्ट रैंकिंग पर पहुंची अष्टापटू

दुबई । विमेंस एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन के साथ श्रीलंकाई कप्तान चामरी अष्टापटू आईसीसी विमेंस टी20 प्लेयर रैंकिंग में तीनों कैटेगरी में अपने करियर की बेस्ट रेटिंग प्वाइंट्स तक पहुंच गई हैं। अष्टापटू ने 29 अगस्त को यूएई के खिलाफ ऑलराउंडर प्रदर्शन किया। उन्होंने 25 गेंदों में नाबाद 48 रन बनाए। बतौर गेंदबाज 3 ओवरों में 10 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। कप्तान के इस प्रदर्शन की बदौलत टीम ने 9 विकेट से शानदार जीत हासिल की। इस नतीजे से अष्टापटू बल्लेबाजों की रैंकिंग में 734 रेटिंग प्वाइंट्स, गेंदबाजों में 552 और ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में 405 प्वाइंट्स के साथ अपने करियर की सबसे बेहतरीन स्थिति में



पहुंच गई। वह टी20 बल्लेबाजों में छठे स्थान पर बनी हुई हैं, जबकि गेंदबाजी सूची में तीन स्थान ऊपर चढ़कर 33वें स्थान पर पहुंच गई हैं और ऑल-राउंडर्स में तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। अष्टापटू का यह प्रदर्शन इस साल की शुरुआत में आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में उनके अच्छे प्रदर्शन के बाद आया है, जहां उन्होंने श्रीलंका के लिए 172 रन बनाए थे और तीन विकेट लिए थे। उनकी ओपनिंग पार्टनर इमेशा दुलानी ने भी लेटेस्ट अपडेट में काफी सुधार किया है। यूएई के खिलाफ 18 गेंदों पर 25 रन की पारी खेलने वाली दुलानी चार स्थान ऊपर चढ़कर 625 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ 18वीं रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। वहीं, हर्षिता समरविक्रमा बल्लेबाजों में एक स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर आ गई हैं। श्रीलंकाई गेंदबाजों को भी टूर्नामेंट के अपने शानदार ओपनिंग मैच का फायदा मिला है। मिताली अयोध्या ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे यूएई का स्कोर 79 रन रन तक सीमित रहा और वह 18 स्थान ऊपर चढ़कर 70वें स्थान पर पहुंच गईं; साथ ही उनके 444 प्वाइंट्स भी उनके करियर का बेस्ट स्कोर है।

#### ईशांत शर्मा: कपिल देव के बाद टेस्ट में भारत के दूसरे सफलतम तेज गेंदबाज

# पांच साल से पहले खेला आखिरी मैच

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा को उनकी लंबाई और निरंतरता के साथ 150 के आस-पास की गति के साथ गेंदबाजी के लिए जाना जाता है। ईशांत टेस्ट क्रिकेट में भारत के छठे सबसे सफल गेंदबाज हैं। वहीं कपिल देव के बाद टेस्ट क्रिकेट में भारत के दूसरे सबसे सफल तेज गेंदबाज हैं। ईशांत शर्मा का जन्म 2 सितंबर 1988 को दिल्ली में हुआ था। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 2006 में दिल्ली के लिए डेब्यू किया। छह फीट चार इंच लंबे ईशांत शर्मा के पास वह सारी क्षमताएं थीं, जो एक तेज गेंदबाज में होनी चाहिए। उनके पास गति के अलावा, स्विंग, और बाउंस था, जो विपक्षी बल्लेबाजों के लिए हमेशा मुश्किल खड़ी करता था। विराट कोहली, शिखर धवन, गौतम गंभीर जैसे दिग्गज क्रिकेटर्स के साथ घरेलू क्रिकेट खेलने वाले ईशांत को मई 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। घरेलू क्रिकेट में पदार्पण के ठीक एक साल बाद भारतीय टीम में जगह बनाने वाले ईशांत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया और जल्द ही टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में भारतीय तेज गेंदबाजी का



#### काउंटी चैंपियनशिप में इंग्लिश काउंट टीम

## सरे से जुड़े औकिब नबी



### फ्रैंचाइजी के लिए खेलेंगे 3 मुकाबले

नई दिल्ली। हाल ही में भारतीय टीम में चुने गए तेज गेंदबाज औकिब नबी काउंटी चैंपियनशिप में इंग्लिश काउंटी टीम 'सरे' से जुड़ गए हैं, जिसके लिए 3 मैच खेलेंगे। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय घरेलू क्रिकेट में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने टूर्नामेंट में 60

विकेट लिए और जम्मू-कश्मीर को उसका पहला खिताब जिताने में मदद की। नबी अब सरे के लिए यॉर्कशायर, ससेक्स और ग्लेसगॉर्गन के खिलाफ होने वाले अगले तीन मुकाबलों में खेलेंगे। 'आईएनएस' ने 28 अगस्त को खबर दी थी कि नबी के रविवार को सरे से जुड़ने और काउंटी चैंपियनशिप में खेलने की संभावना है। नबी सरे के लिए तीन मैच खेलेंगे, जिसकी शुरुआत 2 सितंबर को 'द ओवल' में यॉर्कशायर के खिलाफ मैच से होगी।

### वैभव, अभिमन्यु के साथ चमके मुकेश

### ‘सेंट्रल’ को 4 विकेट से हराकर फ़ाइनल में ‘ईस्ट जोन’

बेंगलूरु । ईस्ट जोन ने दलीप ट्रॉफी 2026 के 'सेमीफाइनल-1' में सेंट्रल जोन के खिलाफ मुकाबले के तीसरे दिन 4 विकेट से जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। कुल 7 विकेट हासिल करने वाले मुकेश कुमार को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अब फाइनल मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 6 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें ईस्ट जोन की भिड़त सेमीफाइनल-2 (नॉर्थ जोन बनाम साउथ जोन) की विजेता टीम से होगी। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 266 रन बनाए। इस पारी में रिकू सिंह ने सर्वाधिक 60 रन जड़े, जबकि आर्यन जुयाल ने 46 रन टीम के खाते में जोड़े। इनके अलावा, यश ठाकुर ने नाबाद 30 रन की पारी खेली। विपक्षी खेमे से मुकेश कुमार (56/3) और अभिजीत सरकार ने 3-3 विकेट निकाले, जबकि मोहम्मद शमी और कौनेन कुरेशी ने 2-2 विकेट चटकाए। इसके जवाब में ईस्ट जोन भी अपनी पहली पारी में 266 रन ही बना सकी। सलामी जोड़ी के रूप में वैभव सूर्यवंशी ने अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पहले विकेट के लिए 153 गेंदों में 162 रन की साझेदारी की। वैभव 81 गेंदों में 7 छवकों और इतने ही चौकों के साथ 92 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अभिमन्यु ने 8 चौकों के साथ 69 रन की पारी खेली। इनके अलावा सुदीप कुमार ने 25 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से हर्ष दुबे ने 4 विकेट झटकें। आर्यन पांडे और यश ठाकुर को 3-3 विकेट हाथ लगे। सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 97 के स्कोर तक 8 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद अरशद खान ने हर्ष दुबे के साथ 9वें विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी करते हुए टीम को शर्मनाक स्थिति से बाहर निकालने की कोशिश की। हर्ष 3 चौकों के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद अरशद (25) ने यश ठाकुर (नाबाद 4) के साथ 18 रन जोड़े। इस पारी में मुकेश कुमार ने 44 रन देकर 4 विकेट निकाले। इनके अलावा, मोहम्मद शमी ने 3 शिकार किए।

#### पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन पिछले 70 सालों में सबसे खराब

## ये खेल ही क्यों रहे: दानिश कनेरिया

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट टीम एक बार फिर से अपने खराब प्रदर्शन की वजह से चर्चा में है। बाबर आजम की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम 3 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड में है। शुरुआती 2 टेस्ट गंवाकर पाकिस्तान सीरीज में 2-0 से पीछे है। सीरीज हारने के बाद पाकिस्तान टीम और मैनेजमेंट फिर से सवालें घेरें में है। पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर दानिश कनेरिया का कहना है कि पिछले 70 साल में उन्होंने पाकिस्तान टीम की ऐसी दुर्दशा नहीं देखी। आईएनएस से खास बातचीत में दानिश कनेरिया पाकिस्तान क्रिकेट टीम की बल्लेबाजी, गेंदबाजी, कप्तानी, टीम चयन, चयनकर्ताओं और प्रबंधन से जुड़े अन्य विषयों पर बात की और पाकिस्तान क्रिकेट टीम की मौजूदा स्थिति को बेहद निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा, 'पिछले 70 साल में पाकिस्तान क्रिकेट टीम की स्थिति सबसे खराब है। हारना बुरा नहीं है, लेकिन पाकिस्तान टीम के किसी भी खिलाड़ी द्वारा कोई संघर्ष या फिर जूझने की क्षमता दिखाई नहीं पड़ती। यह सबसे बुरी स्थिति है।'

कनेरिया ने कहा, 'पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेने के लिए कोई तैयार नहीं है। खिलाड़ी हों या चयनकर्ता किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है।

इसके बाद क्रमशः 8 और 15 सितंबर को होव और 'द ओवल' में ससेक्स और ग्लेसगॉर्गन के खिलाफ मैच होंगे।

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने रविवार को 'आईएनएस' को बताया, 'हां, सभी कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद औकिब को इंग्लैंड जाने के लिए वीजा मिल गया है। माना जा रहा है कि वह आज नई दिल्ली से इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो वह 2 सितंबर से शुरू होने वाले मैच के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। इस दौरे का मुख्य मकसद भारतीय टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं के लिए यह देखना भी है कि क्या नबी इंग्लैंड में गेंद को अच्छी तरह से स्विंग करा सकते हैं, क्योंकि न्यूजीलैंड में होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए उन्हें रेड कूकाबुरा गेंद के साथ अनुकूल परिस्थितियों में ऐसा करने की जरूरत होगी।'

नबी को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चेोटिल जसप्रीत बुमराह के स्थान पर चुना गया था, हालांकि उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिल सका, क्योंकि भारत दोनों मुकाबलों में दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरा था।

#### अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित

# वैभव को मौका, बुमराह भी शामिल



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए मंगलवार को 15-सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया। श्रेयस अय्यर टीम की कप्तान संभालेंगे, जबकि तिलक वर्मा को उप-कप्तानी सौंपी गई है। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर से भारतीय टी20 टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने पिछले मौके को बखूबी भुनाया था। इस टीम में नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह और हर्षित राणा को फिटनेस के आधार पर शामिल किया गया है, लेकिन मध्यक्रम के विस्फोटक बल्लेबाज रिकू

सिंह को मौका नहीं मिला। टीम में अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती जैसे नियमित खिलाड़ी शामिल हैं। हर्षित राणा की भी टीम में वापसी हुई है, जबकि जुलाई में जिम्बाब्वे में खेलने वाली टीम में कुछ बदलाव किए गए हैं। जिम्बाब्वे टी20 सीरीज में न चुने जाने के बाद संजू सैमसन की वापसी हुई है। नियमित तेज गेंदबाजों की वापसी से गेंदबाजी विभाग में भी बदलाव हुए हैं। अर्शदीप के साथ बुमराह और हर्षित शामिल हैं। प्रिस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा और मयंक यादव, जो सभी जिम्बाब्वे दौरे पर गई टीम का हिस्सा थे, इस बार टीम

#### अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उप-कप्तान), शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी\*, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर\*, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह\*, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा\*।

#### विमेंस डीपीएल

## नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को हराया



नई दिल्ली । विमेंस दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के खिलाफ 2 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। अब दोनों टीमों फाइनल मैच में बुधवार को फिर से आमने-सामने होंगी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए 5 विकेट खोकर 126

रन बनाए। ओपनर नजमा 2 रन पर आउट हो गई, जबकि शिवी शर्मा 3 रन पर आउट हुईं, जिससे टीम 12/2 के स्कोर पर दबाव में आ गई। इसके बाद कप्तान आयुषी सोनी ने 55 गेंदों पर नाबाद 62 रनों की अहम पारी खेली और सात चौकों की मदद से पारी को संभाला। अर्चना ने 14 गेंदों पर 21 रन बनाकर टीम को जरूरी

में जगह नहीं बना सके। हार्दिक पांड्या को भी टीम में जगह नहीं मिली है।

भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर को वनडे सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा, जिसके बाद 15 सितंबर को दूसरा मुकाबला आयोजित होगा। सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच 17 सितंबर को खेला जाना है। तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। वैभव सूर्यवंशी ने हाल ही में दलीप ट्रॉफी 2026 में अपना जलवा बिखेरा है। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में ईस्ट जोन के लिए खेलते हुए सेंट्रल जोन के खिलाफ 92 और 40 रन की पारियां खेली थीं।



#### इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद पीसीबी में 'भूचाल'

### सेलेक्टर मिस्बाह-उल-हक ने इस्तीफा भेजा

नई दिल्ली । दूसरे टेस्ट में शर्मनाक हार के बाद सीरीज के बीच में ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टीम में बड़े बदलाव किए, जिसके बाद मिस्बाह-उल-हक ने पाकिस्तान की पुरुष चयन समिति के सेलेक्टर पद से इस्तीफा देने की पेशकश कर दी है। मिस्बाह मार्च में बनी उस चार सदस्यीय चयन समिति का हिस्सा थे, जिसमें आकिब जावेद, सरफराज अहमद और असद शफीक भी शामिल हैं। हालांकि, 'क्रिकइन्फो' की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने चयन पैनल से इस्तीफा देने की पेशकश की है। पीसीबी ने अभी तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है, लेकिन खबरों के मुताबिक मिस्बाह ने लाहौर में नेशनल क्रिकेट अकादमी में बैटिंग कंसल्टेंट के पद से भी इस्तीफा दे दिया है। पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ लंदन में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 194 रन से हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद सोमवार को पीसीबी ने टेस्ट टीम से 7 खिलाड़ियों के साथ हेड कोच और बॉलिंग कोच सरफराज खान और उमर गुल को हटाया।

#### लॉर्ड्स टेस्ट में करारी हार के बाद पाकिस्तान का बड़ा एक्शन

## इंग्लैंड दौरे से 7 खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ की छुट्टी, माइक हेसन को कप्तान



लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 194 रनों की करारी शिकस्त और सीरीज में 0-2 से पिछड़ने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कड़े कदम उठाए हैं। पीसीबी ने इंग्लैंड दौरे के बीच से ही अपनी लगभग आधी टीम बदलते हुए 7 प्रमुख खिलाड़ियों को स्वदेश वापस बुलाने का फैसला किया है। इसके साथ ही मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को भी पद से हटा दिया गया है। टीम से बाहर किए गए 7 खिलाड़ी और उनके रिप्लेसमेंट पीसीबी के आधिकारिक बयान के अनुसार, खराब प्रदर्शन के चलते बाहर किए गए खिलाड़ियों की जगह नए खिलाड़ियों को तीसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड भेजा जा रहा है। वापस बुलाए गए खिलाड़ी (7): मोहम्मद रिजवान, इमाम-उल-हक, सलमान अली आगा, आमिर जमाल, खुर्रम शहजाद, अली उस्मान और ओवेस जफर। नए शामिल खिलाड़ी (7): साइम अयूब, अब्दुल्ला फ़ज़ल, अराफ़ात मिहसब, इमरान जूनियर, साद बेग, इमरान रंथाबा और रजाउल्लाह। कोचिंग स्टाफ में बड़ा फेरबदल: माइक हेसन को टेस्ट की भी कप्तान सरफराज और उमर गुल की छुट्टी: मुख्य कोच सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल को छुट्टी कर दी गई है। हेसन और नोफे के जिम्मेदारी: सीमित ओवरों (झट्ट-बॉल) के मुख्य कोच माइक हेसन को अब टेस्ट (रेड-बॉल) टीम का भी मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वहीं एशले नोफे को टीम का नया गेंदबाजी कोच बनाया गया है।

छात्रावास से सोशल मीडिया तक नई टीम

# भाजपा एससी मोर्चे में 56 नेताओं को मिली जिम्मेदारी

भोपाल । मध्य प्रदेश में भाजपा ने अनुसूचित जाति मोर्चे के संगठन को नए सिरे से सक्रिय करने की कवायद शुरू कर दी है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति के बाद एससी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार ने 56 नेताओं को अलग-अलग संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इनमें प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों के साथ संभाग प्रभारी, सोशल मीडिया और मीडिया से जुड़े पदाधिकारी तथा छात्रावास और स्व-सहायता समूहों के प्रभारी शामिल हैं।

नई नियुक्तियों को केवल संगठनात्मक फेरबदल के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। जिस तरह अलग-अलग सामाजिक समूहों और जमीनी गतिविधियों को जिम्मेदारियों से जोड़ा गया है, उससे साफ है कि भाजपा अनुसूचित जाति वर्ग के बीच कार्यसमिति सदस्यों के साथ संभाग प्रभारी, सोशल मीडिया और मीडिया से जुड़े पदाधिकारी तथा



## जिलों तक पहुंचाने की कोशिश

एससी मोर्चे की प्रदेश कार्यसमिति में मुरैना से लेकर नीमच और बड़वानी से लेकर सीधी तक के नेताओं को शामिल किया गया है। स्वालियर, जबलपुर, इंदौर और उज्जैन जैसे बड़े संगठनात्मक क्षेत्रों के साथ छोटे जिलों को भी प्रतिनिधित्व दिया गया है। भोपाल नगर से डॉ. पंकज कुमार, रायसेन से नेहा आदित्य चावला और जगदीश अहिरवार, सिहोर से रवि नागले तथा राजगढ़ से दिनेश जाटव को प्रदेश कार्यसमिति में जगह दी गई है।

## सामाजिक संपर्क पर भी जोर

भाजपा ने एससी मोर्चे की डिजिटल पहुंच बढ़ाने के लिए भी नियुक्ति की है। शितिज (बाबू) मालवीय को सह सोशल मीडिया प्रभारी और रामस्वरूप अहिरवार को सह मीडिया प्रभारी बनाया गया है। यह नियुक्तियां ऐसे समय में हुई हैं जब भाजपा का संगठनात्मक अभियान तेजी से डिजिटल माध्यमों की ओर बढ़ रहा है। पार्टी पहले ही युवा और वर्ग तक पहुंचने के लिए रील और सोशल मीडिया को प्राथमिकता देने की रणनीति पर काम कर रही है।

## तीन संभागों की जिम्मेदारी भी तय

नई टीम की सबसे खास बात यह है कि इसमें केवल राजनीतिक संगठन के पद नहीं हैं। भाजपा ने छात्रावास संपर्क और स्व-सहायता समूहों जैसे क्षेत्रों को भी अलग जिम्मेदारी दी है। छात्रावास संपर्क प्रभारी के रूप में दीपक कुमार भन्नारे को जिम्मेदारी दी गई है। कमलकांत राजोरिया, दुर्गेश (कालू) चौहान, मनीषा मंगेश रमपुरिया और सरिता मालवीय को सह-प्रभारी बनाया गया है।

## स्व-सहायता समूहों पर भी नजर

स्व-सहायता समूहों के लिए बरखा वर्मा को प्रभारी बनाया गया है। पुष्पा चौहान और पार्वती तामिया को सह-प्रभारी की जिम्मेदारी मिली है। महिला समूहों और स्थानीय स्तर पर सक्रिय स्व-सहायता समूहों से संपर्क भाजपा के लिए सामाजिक और संगठनात्मक दोनों लिहाज से महत्वपूर्ण है। ऐसे समूह गांव और वार्ड स्तर पर सीधे परिवारों से जुड़े होते हैं। भाजपा ने तीन संभागों के लिए प्रभारी भी घोषित किए हैं। भोपाल संभाग की जिम्मेदारी डॉ. जगदीश चौहान, नर्मदापुरम की राकेश सिंह कुचबंदिया और शहडोल की अमित कछवाहा को दी गई है। इसके अलावा प्रदेश कार्यालय प्रभारी के रूप में अजा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री गणपत लाल डाबी को जिम्मेदारी मिली है।

## कैमरों से पहले पकड़ी जाएगी ओवरस्पीड और ड्राइवर की लापरवाही

# एक्सप्रेस-वे पर हादसे रोकने का नया प्लान

भोपाल । दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसा होने के बाद राहत पहुंचाने की व्यवस्था तो पहले से है, अब हादसा होने से पहले उसे रोकने पर जोर दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश के करीब 240 किलोमीटर हिस्से में तीन साल के दौरान करीब 1300 से ज्यादा हादसों के बाद नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया निगरानी व्यवस्था को अगले स्तर पर ले जाने की तैयारी में है। इसमें कैमरों से वाहनों की रफ्तार पर नजर रखने से लेकर ड्राइवर के नींद में होने की स्थिति में उसे अलर्ट करने तक के उपाय शामिल हैं। एक्सप्रेस-वे पर अभी कैमरे, रडार, पेट्रोलिंग वाहन और दूसरी सुरक्षा व्यवस्थाएं मौजूद हैं। इसके बावजूद हादसों का सिलसिला जारी है।



## कैमरे सिर्फ रिकॉर्ड नहीं करेंगे, कार्रवाई भी कराएंगे

एनएचआई एक्सप्रेस-वे पर लगे कैमरों का एक्सेस पुलिस को देने की तैयारी कर रहा है। अभी इन कैमरों से मिलने वाली जानकारी सीधे पुलिस की कार्रवाई से नहीं जुड़ी है।

## लंबी सड़क पर नींद बनी बड़ी चुनौती

एक्सप्रेस-वे की डिजाइन ही ऐसी है कि लंबी दूरी तक सड़क सीधी और अपेक्षाकृत खाली रहती है। यही सुविधा कई बार ड्राइवर के लिए जोखिम बन जाती है। स्थिति बन सकती है।

## रफ्तार के साथ लेन बदलना भी खतरा

एक्सप्रेस-वे पर वाहनों के लिए अलग-अलग लेन निर्धारित हैं। कार के लिए अधिकतम 120, बस के लिए 100 और ट्रक के लिए 80 किलोमीटर प्रति घंटे की गति सीमा है। समस्या तब बढ़ती है जब तेज रफ्तार वाहन अचानक लेन बदलते हैं या गलत तरीके से ओवरटेक करते हैं।

## एमपी के हिस्से में 80 मौतें

तीन साल में मध्यप्रदेश के करीब 240 किलोमीटर हिस्से में हुए लगभग 1300 से ज्यादा हादसों में करीब 80 लोगों की मौत हुई है, जबकि दो हजार से अधिक लोग घायल हुए। पूरे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर इसी अवधि में करीब 400 लोगों की जान गई है।

## 23 हजार पंचायतों के रोजगार सहायकों पर नया नियम

# अब खुद से ही एग्रीमेंट नहीं कर पाएंगे जीआरएस

भोपाल । मध्य प्रदेश की ग्राम पंचायतों में काम कर रहे 23 हजार से ज्यादा ग्राम रोजगार सहायकों (जीआरएस) के संविदा अनुबंध को लेकर सरकार ने अहम बदलाव किया है। अब ग्राम पंचायत में पंचायत सचिव नहीं है, सचिव का पद रिक्त है या ग्राम रोजगार सहायक को ही सचिव का प्रभार दिया गया है, तो वह अपने संविदा अनुबंध पर खुद हस्ताक्षर नहीं कर सकेगा। ऐसी पंचायतों में अब जनपद पंचायत स्तर का अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (एपीओ), मनरेगा ग्राम रोजगार सहायक के साथ संविदा एग्रीमेंट करेगा। मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद के सीईओ ने 1 सितंबर को इस संबंध में आदेश जारी कर सभी कलेक्टरों, जिला कार्यक्रम समन्वयकों और जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को नए प्रावधान का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अब तक व्यवस्था यह थी कि ग्राम रोजगार सहायक का संविदा अनुबंध ग्राम पंचायत सचिव और जीआरएस के बीच किया जाता था। लेकिन प्रदेश की कई पंचायतों में सचिव के पद रिक्त होने या सचिव के उपलब्ध नहीं होने के कारण जीआरएस को ही सचिव का अतिरिक्त प्रभार दे दिया गया। यहीं से प्रशासनिक पेंच खड़ा हुआ। एक तरफ कर्मचारी ग्राम रोजगार सहायक के पद पर संविदा पर काम कर रहा था, वहीं दूसरी तरफ उसे सचिव की जिम्मेदारी भी मिल गई। ऐसे में उसके संविदा

अनुबंध की प्रक्रिया में वही कर्मचारी सचिव की भूमिका में आ गया, जिसे दूसरी तरफ अनुबंध में संविदाकर्मी के तौर पर शामिल होना था। यानी जिस कर्मचारी को एग्रीमेंट करना था, वही एग्रीमेंट कराने वाले अधिकारी की भूमिका में भी आ गया। परिषद के सामने ऐसी स्थिति से जुड़ी शिकायतें पहुंचने के बाद व्यवस्था में बदलाव किया गया है।

अब पंचायत नहीं, जनपद स्तर पर होगा एग्रीमेंट नए प्रावधान में स्थिति को तीन हिस्सों में स्पष्ट किया गया है। पहली स्थिति यदि ग्राम पंचायत में पंचायत सचिव पदस्थ है, तो पहले की तरह सचिव और ग्राम रोजगार सहायक के बीच ही संविदा अनुबंध होगा। दूसरी स्थिति



यदि पंचायत सचिव का पद रिक्त है या सचिव उपलब्ध नहीं है, तो एग्रीमेंट जनपद पंचायत में पदस्थ अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा करेगा। तीसरी स्थिति यदि ग्राम रोजगार सहायक को ही पंचायत सचिव का प्रभार दिया गया है, तब भी वह अपने संविदा अनुबंध की कार्रवाई खुद नहीं कर सकेगा। ऐसी स्थिति में एपीओ मनरेगा अनुबंध करेगा। यदि किसी जनपद पंचायत में भी एपीओ का पद खाली है, तो वहां पदस्थ प्रभारी अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी एग्रीमेंट की प्रक्रिया पूरी करेगा।

नवीनीकरण में भी यही व्यवस्था लागू यह बदलाव केवल नए संविदा अनुबंध तक सीमित नहीं रहेगा। ग्राम रोजगार सहायकों के अनुबंध के नवीनीकरण की स्थिति में भी यही व्यवस्था लागू होगी। इसका मतलब है कि सचिव विहीन पंचायतों में जीआरएस को अपने अनुबंध से संबंधित प्रक्रिया के लिए अब जनपद पंचायत स्तर पर जाना होगा। इससे अनुबंध प्रक्रिया में जिम्मेदारी स्पष्ट होगी और अधिकारी-कर्मचारी की भूमिकाओं को लेकर भ्रम की स्थिति खत्म होगी।

## प्रशासनिक और कानूनी सवालों से बचने की कोशिश

किसी कर्मचारी का अपने ही साथ संविदा अनुबंध करना केवल तकनीकी खामी नहीं थी। इससे प्रशासनिक पारदर्शिता और वैधानिक प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े हो सकते थे।

# 2031 तक बाकी पानी इस्तेमाल करने के लिए 40 परियोजनाओं पर तेज हुआ काम

## 47 साल में आधा नर्मदा जल ही इस्तेमाल कर पाया मग्न, अब 5 साल में पूरी हिस्सेदारी खपाने की चुनौती

भोपाल । मध्य प्रदेश को नर्मदा के पानी में उसका हिस्सा मिले 47 साल बीत चुके हैं, लेकिन राज्य अब तक अपने पूरे आवंटित जल का इस्तेमाल नहीं कर पाया है। वर्ष 1979 में नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण के फैसले के बाद मध्य प्रदेश को 18.25 मिलियन एकड़-फीट (एमएएफ) पानी आवंटित हुआ था।

इसके बावजूद अभी करीब 10 एमएएफ पानी का ही उपयोग हो पा रहा है। यानी राज्य के हिस्से का बड़ा हिस्सा अब भी पूरी तरह इस्तेमाल में नहीं आ सका है। अब सरकार ने इस पुराने अंतर को



खत्म करने के लिए वर्ष 2031 की

समयसीमा तय की है। इसके लिए

करीब 40 परियोजनाओं पर काम तेज किया गया है। इनमें 36 परियोजनाओं की लागत 20 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा है। दावा है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद नर्मदा के हिस्से के शेष पानी को सिंचाई और अन्य उपयोगों में लाया जा सकेगा।

नर्मदा जल बंटवारे का फैसला 1979 में हुआ था। उस समय नर्मदा के 28 एमएएफ उपयोग योग्य पानी का चार राज्यों के बीच बंटवारा किया गया था। 2031 तक बाकी पानी इस्तेमाल करने के लिए 40 परियोजनाओं पर तेज हुआ काम।

## महंगी खरीदी गई बिजली का बोझ उपभोक्ताओं पर

# 8 महीने में छठवीं बार बढ़ा सरचार्ज

भोपाल । मध्य प्रदेश में बिजली खरीद की बड़ी लागत का असर सीधे उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है। बिजली वितरण कंपनियों की महंगी बिजली खरीद का समायोजन अब अगस्त के बिलों में 4.59 प्रतिशत प्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएस) के रूप में किया गया है। खास बात यह है कि जनवरी से अगस्त के बीच आठ महीनों में यह छठवीं बार है, जब उपभोक्ताओं के बिजली बिल में इस तरह का सरचार्ज जोड़ा गया है।

इस बार सरचार्ज की वजह जून में बिजली खरीद की वास्तविक लागत का टैरिफ में पहले से तय अनुमान से ज्यादा होना है। जून में वितरण कंपनियों ने सभी स्रोतों से करीब 906.65 करोड़ यूनिट बिजली खरीदी। इसकी वास्तविक औसत खरीद लागत 3.92 रुपए प्रति यूनिट रही, जबकि टैरिफ में औसत खरीद लागत 3.64 रुपए प्रति



यूनिट मानी गई थी। यानी बिजली खरीद अनुमान से 28 पैसे प्रति यूनिट महंगी रही।

महंगी खरीद का अंतर उपभोक्ता से वसूला नियामकीय व्यवस्था के तहत बिजली खरीद की वास्तविक लागत और टैरिफ में स्वीकृत लागत के बीच के अंतर का समायोजन एफपीपीएस के

जरिए किया जाता है। जून में हुई महंगी खरीद का असर दो महीने बाद अगस्त के बिजली बिल में दिखाई दे रहा है। हालांकि 4.59 प्रतिशत एफपीपीएस का मतलब यह नहीं है कि पूरे बिजली बिल में सीधे 4.59 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह बिजली खरीद लागत में अंतर का नियामकीय समायोजन है। उपभोक्ता पर वास्तविक असर उसकी बिजली खपत, श्रेणी और लागू टैरिफ के अनुसार अलग-अलग होगा। खपत तिथि नितनी ज्यादा होगी, सरचार्ज की राशि भी उतनी ही बढ़ सकती है।

906 करोड़ यूनिट खरीद, 28 पैसे का अंतर जून में कुल 9,06,64,75,575 यूनिट बिजली खरीदी गई। इसमें से 28,63,94,615 यूनिट की थोक बिक्री हुई। इसे घटाने के बाद सरचार्ज की गणना के लिए नेट बिजली खरीद करीब 878.01 करोड़ यूनिट रही।

## विभागों ने पदोन्नति की खानापूर्ति: पदोन्नति मिली, अधिकार नहीं

# प्रमोशन के बाद भी पुरानी कुर्सी पर अफसर

भोपाल । मध्य प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की लंबे इंतजार के बाद हुई पदोन्नति अब कागजों की खानापूर्ति बनती नजर आ रही है। पुलिस से लेकर लोक निर्माण विभाग, वित्त और स्कूल शिक्षा विभाग तक बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारियों को पदोन्नति तो दे दी गई, लेकिन उन्हें नए पद के अनुरूप नई पदस्थापना और जिम्मेदारी नहीं मिली। नतीजा यह है कि पदस्थान बदल गया, लेकिन काम वही पुराना चल रहा है।

पड़ताल में सामने आया है कि कई विभागों में पदोन्नति पाने वाले करीब 80 फीसदी अधिकारी-कर्मचारी अभी भी पुराने पद का काम कर रहे हैं। यानी सरकार ने वर्षों से लंबित पदोन्नति का रास्ता तो खोला, लेकिन नई जिम्मेदारी देने की प्रक्रिया पूरी नहीं की। इससे विभागों के भीतर असंतोष बढ़ रहा है और आगे वाले दिनों में विरोध के स्वर तेज होने की संभावना है। सरकारी विभागों में वर्षों से लंबित पदोन्नति को लेकर कर्मचारियों में पहले ही असंतोष रहा है। अब जब पदोन्नति के आदेश जारी हुए हैं तो नई पदस्थापना नहीं मिलने से एक नया विवाद खड़ा हो गया है। कर्मचारियों का सवाल सीधा है- अगर प्रमोशन के बाद भी पुराना पद, पुराना काम और पुरानी जिम्मेदारी ही निभानी है, तो नई पदोन्नति का वास्तविक अर्थ क्या है? विभागों की यह कार्यपालनी आने वाले दिनों में सरकार के लिए नई प्रशासनिक चुनौती बन सकती है।

पुलिस में स्टार बढ़े, जिम्मेदारी नहीं



पुलिस विभाग में सिपाही से हवलदार, हवलदार से एसएसआई, एसएसआई से एसआई, एसआई से इंस्पेक्टर और इंस्पेक्टर से डीएसपी तक पदोन्नतियां हुई हैं। लेकिन कई अधिकारियों को नए पद का चार्ज नहीं मिला। बैतूल में डीएसपी के पद पर पदोन्नत एक अधिकारी के मुताबिक, पदोन्नति के बाद स्टार भी लगा दिए गए, लेकिन बड़े पद की जिम्मेदारी नहीं दी गई। अधिकारी अभी भी पुराने कामकाज में लगे हुए हैं। हालांकि कुछ जिलों में टीआई जैसे महत्वपूर्ण पदों पर पदोन्नत अधिकारियों ने नई पदस्थापना पर आमद भी दे दी है।

वित्त विभाग में 238 अधिकारी नई पोस्टिंग की कतार में

वित्त विभाग भी इससे अछूता नहीं है। विभाग के 238 अधीनस्थ लेखाधिकारियों को सहायक संचालक/लेखाधिकारी के पद पर पदोन्नति दी गई।